arrangements for supplying clean drinking water on the Jhalawar Road station have been found satisfactory.]

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान् यह बतलायेंगे कि गत एक वर्ष में कितनी बार वहां पानी की व्यवस्था बदलनी पड़ी ?

श्री राम सुभग सिंह : असल में बात यह है कि वहां से थोड़ी दूर पर एक कुंआ है जहां से पानी आता है । करीब दो या सवा दो सौ पैसेन्जर्स वहां पर आते जाते है । तो उन लोगों के लिये बरसात से जाडे के मौसम तक वहा नजदीक के कुएं से पानी लाया जाता है और उस से काम चलता है । गर्मी मे दिक्कत होती है तो वह पानी भवानी मंडो से टैंकर द्वारा लाया जाता है । इसलिये साल भर में इस व्यवस्था में दो बार तब्दीलियां होती हैं । मगर ये तबदीलिया कोई ऐसी नहीं हैं कि जिस से कहा जाय कि यात्रियो को वहा पानी नहीं मिलता ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या श्रीमान् को ज्ञात है कि वहा जो पानी उपलब्ध होता है वह खारा होता है, मीठा नहीं होता है, और इसलिये यह व्यवस्था की गई कि भवानी मंडी से या आस पास से टैंकर में पानी लाया जाता है और कभी कभी टैंकर खराब हो जाने से वह पानी भी उपलब्ध नहीं हो सकता, ऐसी स्थिति में कोई स्थायी व्यवस्था हो जिस से अच्छा पानी वहा के यात्रियो को मिल सके, इस के लिये वहां की पचायत ने जो सुझाव दिया था क्या उस पर सरकार विचार कर रही है ?

श्री राम सुभग सिंह : यह सही है कि वहा का पानी, जो बिल्कुल नजदीक के कुएं से आता है वह खारा पानी है और इसीलिये उस के बगल के कुएं से पानी अभी लाया जाता है । और पचायत का जो सुझाव है उस पर विचार कर रहे हैं, मगर पंचायत ने भी यह बिल्कुल नहीं लिखा है कि जो पानी की व्यवस्था की गई है वह नितांत असतोषप्रद है ।

उत्तर-पूर्व रेलवे पर विक्रेताओं तथा जलपान गृहों के ठेकेदारों से प्राप्य राशि

***२१८. श्री भगवत नारायण भार्गव :** क्या रेल मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर-पूर्व रेलवे पर विक्रेताओं तथा जलपान ठेकेदारों से बकाया रुपया कब तक वसूल होने की आशा है और कितनी राशि बट्टेखाते डाल दी जायेगी ?

†[AMOUNT DUE FROM VENDORS AND CONTRACTORS ON N.E. RAILWAY

218. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state the time by when the amount due from the vendors and the refreshment room contractors on the North Eastern Railway is likely to be recovered and the amount which is likely to be written off?]

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : यह बताना सभव नही है कि पूर्वोत्तर रेलवे में खोमचे वालो और जलपान गृहों के ठेकेदारों पर बकाया रकम कब तक वसूल की जा सकेगी । यह भी नही कहा जा सकता कि कितनी रकम बट्टेखाते में डाले जाने की सभावना है । इस बात की पूरी कोशिश की जा रही है कि जितनी अधिक रकम वसूल की जा सकती हो, आपसी बातचीत, पच फैसले और दूसरे कानूनी उपायों से वसूल की जाये ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI RAM SUBHAG SINGH): It is not possible to give any indication of the time by

†[ ] English translation.

which the amount due from the vendors and the refreshment room contractors on the North Eastern Railway is likely to be recovered nor can i be said as to what amount is likely to be written off. Every endeavour is being made to recover as much amount as possible by adopting measures such as negotiations, arbitration and other legal means.]

श्री भगवत नारायण भार्गव : इस समय इन लोगो पर कितना रुपया बकाया है ?

श्री राम सुभग सिंह : ४५,००० रु० ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या श्रीमान यह बतलाएंगे कि यह रुपया कितने वर्षों से बकाया है ?

श्री राम सुभग सिंह : यह बहुत पुराना रुपया है, १९५० से १९६१ तक का बकाया है । रिआर्गनाइजेशन होने से पहले दो तीन रेलवेज का उसमे हिस्सा था । फिर कुछ ठेकेदार वहा से हट गए । यह बात पब्लिक अकाउन्ट्स कमेटी के सामने भी आई और आडिट रिपोर्ट में आई है और जो भी सुझाव इस बारे में हैं उस पर हम काफी तत्परता से कार्यवाही करेंगे ।

श्री भगवत नारायण भार्गव जिन लोगो पर रुपया बकाया है क्या उन लोगो का कान्ट्रेक्ट खत्म कर दिया गया है ?

श्री राम सुभग सिंह कुछ तो उनमे से छोड कर भाग गए है । उन सबके कान्ट्रैक्ट हम खत्म करेंगे । इसके बारे मे लिस्ट मैं यहा पर रख सकता हू । ऐसा कोई नही रहेगा कि जिससे कोई बकाया हो ।

श्री गिरिराज किशोर कपूर : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि सन् १९५१ से अब तक कितने ठेकेदारों पर यह बकाया है, उनमे से कितने जिन्दा हैं, कितने खो गए हैं और आगे यह बकाया न बढ़ जाय इसके लिये क्या प्रिकाशन्स लिये जा रहे हैं ?

श्री राम सुभग सिंह : जहा तक कि जानकारी है करीब-करीब सारे लोग जिंदा होंगे और जैसा मैं ने कहा उसकी लिस्ट मैं रख दूंगा । अभी दो तीन वर्षों से काफी जोरों से कोशिश की जा रही है कि सारी रकमे वसूल कर ली जाये और जो भी पब्लिक अकाउन्ट्स कमेटी का सुझाव होगा उस पर हम अमल करेंगे ।

SHRI N. SRI RAMA REDDY: Is it a fact that the system of entrusting Railway Refreshment Rooms to the contractors has been done away with all over India?

SHRI RAM SUBHAG SINGH. Not on all the stations. At some stations there are still some private caterers.

PANDIT S S. N. TANKHA: May I know the amount of money, if any, that has become time-barred?

SHRI RAM SUBHAG SINGH· Actually, the list runs to two or three pages and I will place it on the Table of the House These arrears started from the period 1951—1961 and now it comes to Rs. 45,000 This includes so many charges

SHRI FARIDUL HAQ ANSARI: I suppose the system seems to be wrong May I know whether any advance amount is taken generally from these contractors before the contract is given to them?

SHRI RAM SUBHAG SINGH The system was wrong because in every case advance was not taken and therefore these arrears went up.

श्री चन्द्र शेखर : क्या नार्थ ईस्टर्न रेलवे के कान्ट्रैक्टर्स पर ही यह रुपया बकाया है या और रेलवेज के कान्ट्रैक्टर्स पर भी बकाया है ?

श्री राम सुभग सिंह : अभी तो नार्थ-ईस्टर्न रेलवे की बात है । और रेलवेज के बारे में देख कर ही बता सकता हू ।